कुमार जीवन - 40

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **अगर यज्ञ सेवा सच्ची दिल से करते हैं तो एक सेकण्ड का भी बहुत फल है।** आप लोग तो कितने दिन सेवा में रहे हो। तो फलों के भण्डार इकट्ठे हो गये। इतने फल जमा हो गये जो 21 पीढ़ी तक वह फल खाते ही रहेंगे। सेवाधारी वहाँ जाकर माया के वश नहीं हो जाना। सदा सेवा में बिजी रहना। मंसा से शुद्ध संकल्प की सेवा और सम्पर्क सम्बन्ध वा वाणी द्वारा परिचय देने की सेवा। सदा ही सेवा में बिजी रहना। सेवा का पार्ट अविनाशी है। चाहे यहाँ रहो चाहे कहीं भी जाओ, सेवाधारी के साथ सदा ही सेवा है। सदा के सेवाधारी हो। **सेवा में बिजी रहेंगे तो माया नहीं आयेगी।** जब खाली स्थान होता है तो दूसरे आते हैं। मच्छर भी आयेंगे, खटमल भी आयेंगे। इसलिए सदा बिजी रहो तो माया आयेगी ही नहीं। मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। माया नमस्कार करके चली जायेगी। ऐसे बहादुर बनकर जा रहे हो! ऐसे तो नहीं वहाँ जाकर कहेंगे, आज क्रोध आ गया, आज लोभ, मोह आ गया...माया पेपर लेगी, वह भी सुन रही है कि यह वायदा कर रहे हैं। **जहाँ बाप है वहाँ माया क्या करेगी।**

➳ _ ➳ **सदा बाप साथ है या अलग है। कुमार अकेले तो नहीं समझते हो। ऐसे तो नहीं कोई सुनने वाला नहीं, कोई बोलने वाला नहीं... बीमार पड़ेंगे तो क्या करेंगे? दूसरा साथी याद तो नहीं आयेगा! दूसरा साथी लायेंगे तो उसका सुनना भी पड़ेगा, खिलाना भी पड़ेगा। सम्भालना भी पड़ेगा। ऐसा बोझ उठाने की ज़रूरत ही क्या है। सदा हल्के रहों। सदा युगल रूप हो, दूसरी युगल क्या करेंगे? कभी संकल्प आता है बीमार पड़ते हो तब आता है? जिस सम्बन्ध की याद आये उसी सम्बन्ध से बाप को याद करो, तो बीमारी में सोये सोये भी ऐसा अच्छा खाना बना लेंगे जैसे दूसरा बना गया। तो सदा साथ रहना, अकेला हूँ नहीं, कम्बाइण्ड हूँ। आप और बाप दोनों कम्बाइण्ड हो, अलग कोई कर नहीं सकता, यह चैलेन्ज करो। चैलेन्ज करने वाले हो न कि घबराने वाले। (23-05-1983)**

➢➢ विकारों पर विजय

➳ _ ➳ हर कार्य खुश होकर करने की आदत डालो

→ जो भी करो... खुश हो हो कर करो

- बिना किसी कारण के खुश हो जाओ
  - ▸ एक दिन यह आपकी आदत बन जाएगा

➳ _ ➳ खुद को इतना बिजी करो दो

→ की काम विकार जैसा भूत अगर तुम्हारे पास आये भी

- तो तुम्हे बिजी देखकर
  - ▸ थक हार कर तुम्हार इंतज़ार कर वापिस लौट जाए

→ तो माया पर विजय प्राप्त करने में इतनी मेहनत नहीं करनी पड़ेगी

➳ _ ➳ भ्रम के 2 रूप

→ जो व्यक्ति हमें पसंद है

- उसमें सब गुण ही दिखाई देना

→ जो व्यक्ति हमें नापसंद है

- उसमे सब अवगुण ही दिखाई देना

➳ _ ➳ पांचो विकारों में सबसे सूक्षम विकार है :-

→ अहंकार

➢➢ क्रोध के 3 रूप

➳ _ ➳ चेहरा लाल हो जाना... चिल्ला कर बोलना

➳ _ ➳ चिडचिड़ापन

➳ _ ➳ कोई व्यक्ति पसंद न आना

→ It Is The Refinest Form Of Anger

➢➢ विवाह के नुक्सान

➳ _ ➳ लोकिक देहधारी की Loyalty का कोई भरोसा नहीं

➳ _ ➳ स्वतंत्रता ख़तम हो जाती है

➳ _ ➳ संबंधो / बन्धनों का बहुत बड़ा Network तैयार हो जाता है

➳ _ ➳ खर्चा बहुत बड जाता है

➳ _ ➳ बुडापे में उसके साथ निभाने की कोई गारंटी नहीं (वो यह जीवन पहले ही छोड़ दे तो)

➳ _ ➳ बुडापे में बच्चों के साथ निभाने की भी कोई गारंटी नहीं है

➳ _ ➳ उसकी बहुत सी बातें सुन्नी पड़ेंगी

➳ _ ➳ उसकी बहुत सी Expectations पूरी करनी पड़ेंगी

➳ _ ➳ कदम कदम पर Compromise करना पड़ेगा

➳ _ ➳ स्वभाव / संस्कार अलग होगा तो बात बात पर झगडा होगा